शैक्षिक सत्र 2021-2022

कक्षा-11

विषय-संगीत (गायन)

कोविड-19 के दृष्टिगत माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित पाठ्यक्रम को लगभग 30% तक कम करने के पश्चात् शेष पाठ्यक्रम का सत्र- 2021-22 हेतु अध्यायवार मासिक शैक्षणिक पंचांगः-

क्र.सं.	माह	पाठ्यक्रम	खण्ड क,ख
1	मई	**20 मई से ऑनलाइन शिक्षण कार्य प्रारम्भ।** शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा सप्तक की परिभाषा एवं सप्तक का तारत्व (पिच) तीव्रता और गुण। राग भीमपलासी का पूर्ण परिचय आरोह-अवरोह पकड़।	(क) (ख)
2	जून	स्वर की परिभाषा -शुद्ध और विकृत स्वर। राग भीमपलासी का आलाप, छोटाख्याल, स्वरलिपि कुछ तान सहित तीनताल का परिचय - एकगुन, दुगन, तिगुन, चौगुन, को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख)
3	जुलाई	श्रुतियाँ, आलाप, तान, मुर्की, कण कम्पन, मींड, गमक, छूट तानों के प्रकार (सपाट, अलंकारिक आदि)। गीतों की शैलियां-ध्रुपद तराना, सरगम गीत, भजन की परिभाषा उदाहरण सहित। झपताल का परिचय-एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। राग दुर्गा का समान्य अध्ययन- परिचय, आरोह-अवरोह पकड़ एवं छोटा ख्याल- स्वरलिपि लिखने एवं गाने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख) (ख)
4	अगस्त	त्रिवट, चतुरंग, रागमाला, होली की परिभाषा उदाहरण सहित। राग भैरव- विस्तृत अध्ययन, पूर्ण परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़ आलाप, एक द्रुत ख्याल- उचित तान, मुर्की, अन्य लयपूर्ण तालबद्ध विस्तार के साथ उसको गाने की योग्यता। आरोह-अवरोह, पकड़, वक्र, वर्ज्य स्वर की परिभाषा। घरानों का संक्षिप्त अध्ययन। तानसेन एवं शारंगदेव का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान।	(ख) (ख) (क) (क) (ख)

5	सितम्बर	नादी स्वर का आलोचनात्मक अध्ययन। सम्बादी, अनुवादी, विवादी स्वर की पूर्ण जानकारी। राग हिण्डोल का सामान्य अध्ययन- परिचय, आरोह-अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल की स्वर लिपि को गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। अमीर खुसरों एवं पण्डित भीमसेन जोशी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। एकताल का पूर्ण परिचय- एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।	(क) (ख) (ख) (ख)
6	अक्टूबर	नाद की परिभाषा एवं विशेषताएं। राग बहार का सामान्य अध्ययन - परिचय, आरोह-अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल इसकी स्वरलिपि, जिसको लिखने, गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। चार ताल का पूर्ण परिचय- एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। छोटे स्वर समूहों के आधार पर रागों को पहचानना और उसकी बढ़त करना।	(क) (ख) (ख) (ख)
7	नवम्बर	भारतीय संगीत में आशुरचना का स्थान। भारतीय संगीत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (प्राचीन काल) मई से अक्टूबर माह तक के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति **अर्धवार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन।** **अर्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन ।**	(क) (ख)
8	दिसम्बर	राग मालकौंस-विस्तृत अध्ययन-पूर्ण परिचय, आरोह-अवरोह, पकड़, आलाप छोटा ख्याल की स्वरलिपि लिखने एवं पूर्वा गायिकी के साथ गाने का ज्ञान। रागों में थोड़ी स्वतंत्रता के साथ आशु रचना करने की योग्यता । किशोरी अमोनकर, गंगू बाई हंगल का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम में रागों की विशेषता।	(ख) (ख) (ख)
9	जनवरी	पाठ्यक्रम के समस्त रागों की बन्दिशों की स्वरलिपि लिखने का अभ्यास एवं सभी तालों को एकगुन, दुगुन, तिगुन चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। **प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन।**	(ख)
10	फरवरी	**वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन।**	
11	मार्च	**परीक्षाफल का वितरण।**	

कोविड-19 महामारी के कारण सत्र 2021-22 में सम्यक विचारोपरान्त निम्नलिखित 30 % पाठ्यक्रम कम किया गये है-

(खण्ड 'क') (संगीत विज्ञान)

शुद्ध स्वरों का आन्दोलन और तार पर शुद्ध स्वरों का स्थान।

(खण्ड 'ख')

(संगीत का इतिहास और रागों का अध्ययन)

स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास और भेद। कठिन अंलकारों की रचना। गीतों के अलाप-तान, बोल तान सहित लिपिबद्ध करने की योग्यता।

प्रयोगात्मक-

उक्त रागों के गीतों में कम से कम एक ध्रुपद, एक विलम्बित ख्याल तथा एक तराना होगा। ध्रुपद में दुगुन, तिगुन, और चौगुन गाने तथा लिखने की क्षमता होने चाहिये।